## माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, प्रयागराज।

कोविड-19 महामारी के कारण पाठ्यक्रमों का 70 प्रतिशत, अध्यायवार शैक्षिक पंचांग सत्र 2020-21 के लिए निम्नवत् है-

कक्षा 11 अर्थशास्त्र

| क्रमांक | माह | पाठ्यक्रम |
|---|---|---|
| 1. | 20 मई से | अर्थशास्त्र- परिभाषा, सम्भावनायें एवं कार्य।<br>अर्थशास्त्र में सांख्यिकीय का महत्व। |
| 2. | जून | आँकड़ो का संग्रहण, व्यवस्थीकरण एवं प्रस्तुतीकरण।<br>सांख्यिकी उपकरण एवं उनके अर्थ, केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापन- माध्य (सरल और भारित) माध्यिका, बहुलक। |
| 3. | जुलाई | विकास के अनुभव (1947-1990) एवं आर्थिक सुधार वर्ष 1991 से स्वतन्त्रता प्राप्ति की संख्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति का संक्षिप्त परिचय।<br>पंचवर्षीय योजनाओं के सामान्य लक्ष्य। |
| 4. | अगस्त | कृषि की प्रमुख विशेषतायें, समस्यायें एवं नीतियाँ। उद्योग (औद्योगिक नीति संकल्प 1956, लघु उद्योग-भूमिका एवं महत्व) एवं विदेशी व्यापार।<br>1991 से आर्थिक सुधार-उदारीकरण, वैश्वीकरण एवं निजिकरण (L.P.G.) मॉडल विमुद्रीकरण एवं G.S.T. |
| 5. | सितम्बर | भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ।<br>गरीबी-पूर्ण एवं सापेक्ष, गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम उनका आलोचनात्मक विशलेषण।<br>मानव पूंजी निर्माण। आर्थिक विकास में मानव पूंजी की भूमिका।<br>ग्रामीण विकास-मुख्य बिन्दु साख एवं विपणन- सहकारी समितियाँ, कृषि विविधता, रोजगार- औपचारिक एवं गैर औपचारिक क्षेत्र में वृद्धि एवं अन्य मुद्दे-समस्यायें एवं नीतियाँ। |
| 6. | अक्टूबर | आधारिक संरचना- अर्थ एवं प्रकार, मामले का अध्ययन, स्वास्थ्य समस्यायें एवं नीतियाः एक आलोचनात्मक विश्लेषण। |

| | | |
|---|---|---|
| 7. | नवम्बर | वहतीय आर्थिक विकास- अर्थ, आर्थिक विकास का संसाधनों एवं पर्यावरण पर प्रभाव जिसमें ग्लोबल वार्मिंग भी सम्मिलित है। भारत का विकास, अनुभव, पड़ोसी देशों से तुलना, भारत एवं पाकिस्तान, भारत एवं चीन।<br>अर्द्धवार्षिक परीक्षा |
| 8. | दिसम्बर | मुद्दे-विकास, जनसंख्या, क्षेत्रवार विकास एवं अन्य मानव विकास के संकेतांक। |
| 9. | जनवरी | पढ़ाये गये अध्यायों की पुनरावृत्ति। |
| 10. | फरवरी | गृह परीक्षा का आयोजन |
| 11. | मार्च | छात्रों के परीक्षाफल का वितरण |

**नोट- कोविड-19 के प्रभावी होने की स्थिति में संशोधित पाठ्यक्रम के तहत निम्नलिखित शीर्षकों को पाठ्यक्रम से हटाया गया है-**

इकाई-03 सांख्यिकी उपकरण एवं उनके अर्थ-परिक्षेपण के माप (परास, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन, मानक विचलन।)

सहसम्बन्ध, सूचकांक।

इकाई-07 भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ-

भारत में शिक्षा क्षेत्र का विकास।

वैकल्पिक कृषि- जैविक कृषि।

आधारिक संरचना- ऊर्जा।